यूएई-भारत सीईपीए परिषद और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए

वाराणसी, 18 जुलाई 2025 – यूएई-भारत सीईपीए परिषद (यूआईसीसी) और अटल इनक्यूबेशन सेंटर- महामना फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (एआईसी-एमएफआईई-आईएम-बीएचयू) ने यूएई-भारत सीईपीए परिषद स्टार्ट-अप सीरीज के हिस्से के रूप में वाराणसी में स्टार्ट-अप प्रदर्शनी का संयुक्त रूप से आयोजन किया।

भारत के सबसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण शहरों में से एक में आयोजित इस कार्यक्रम ने भारत में उभरते उद्यमिता केंद्रों के साथ नवाचार संबंधी साझेदारी को मजबूत करने के लिए यूएई-भारत सीईपीए परिषद की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यूआईसीसी और एआईसी-एमएफआईई-आईएम-बीएचयू के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करना रहा। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य युवाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों और प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ नवाचार एवं उद्यमिता में मजबूत सहयोग को बढ़ावा देना है। इस समझौते से संयुक्त अरब अमीरात और भारत के बीच सीमा-पार विस्तार, ज्ञान साझाकरण एवं संस्थागत संबंधों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इस कार्यक्रम के अवसर यूएई-भारत सीईपीए परिषद के निदेशक श्री अहमद अलजनेबी ने कहा: "यूएई-भारत सीईपीए स्टार्ट-अप सीरीज महज अवसर ही नहीं, बल्कि पहुंच, महत्वाकांक्षा और गति प्रदान करने पर भी केंद्रित है। इस पहल के माध्यम से, हम संयुक्त अरब अमीरात को भारत की सबसे होनहार अगली पीढ़ी के उद्यमों, विशेष रूप से श्रेणी-2 और श्रेणी-3 नवाचार केंद्रों से उभर रहे उद्यमों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के लिए एक प्रेरक के रूप में स्थापित कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य ऐसे संबंधों को निर्मित करना है जो स्थानीय प्रतिभाओं को वैश्विक प्रतिभाओं में परिवर्तित कर सकें।"

इस साझेदारी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एआईसी-एमएफआईई-आईएम-बीएचयू के निदेशक और प्रोफेसर-इन-इंचार्ज, प्रो. पी.वी. राजीव ने कहा: "यूएई-भारत सीईपीए परिषद के साथ यह सहयोग हमारे संस्थान और वाराणसी के व्यापक स्टार्ट-अप समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। अपने युवा अन्वेषकों को अंतर्राष्ट्रीय अवसरों से जोड़कर हम ज्ञान के आदान-प्रदान, वैश्विक मार्गदर्शन और सीमा-पार विस्तार के द्वार खोल रहे हैं। हम विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात में ऐसा कर रहे हैं। हम एक ऐसे मज़बूत मंच के निर्माण के लिए तत्पर हैं जो छात्र उद्यमियों को वैश्विक स्तर पर सोचने और साहसपूर्वक कार्य करने के लिए सशक्त बनाए।"

प्रदर्शनी में प्रतिभागियों ने यूएई-भारत स्टार्ट-अप सीरीज का आधिकारिक ट्रेलर देखा, जिसमें इनक्यूबेशन सहायता, फास्ट-ट्रैक यूएई लाइसेंसिंग प्रक्रिया, क्यूरेटेड मेंटरशिप और अग्रणी यूएई-आधारित निवेशकों एवं इनोवेशन नेटवर्क तक सीधी पहुंच सहित इसकी प्रमुख पेशकशों को रेखांकित किया गया।

इस कार्यक्रम का समापन श्री अलजनेबी के नेतृत्व में एक दिलचस्प प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें छात्रों, स्टार्ट-अप संस्थापकों व इनक्यूबेशन पेशेवरों को सीईपीए स्टार्ट-अप सीरीज और इसकी आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

वाराणसी प्रदर्शनी यूएई की नवाचार संबंधी कौशल (इनोवेशन डिप्लोमेसी) में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करती है कि सीईपीए साझेदारी का लाभ प्रमुख महानगरों के अलावा भारत के सांस्कृतिक क्षेत्र और अगली पीढ़ी की उद्यमशील प्रतिभा तक पहुंचे।

नई दिल्ली में होने वाले आगामी प्रमुख कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक स्टार्ट-अप को आधिकारिक माइक्रोसाइट के माध्यम से आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 31 जुलाई 2025 तक आवेदन किए जा सकते हैं।

आवेदन करें: https://start-upseries.cepacouncil.com

मीडिया से जुड़ी जानकारी या अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें: info@cepacouncil.com

यूएई-भारत सीईपीए परिषद के बारे में

यूएई-भारत सीईपीए परिषद (यूआईसीसी) यूएई-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के तहत व्यापार, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्थापित एक समर्पित द्विपक्षीय मंच है। यह साझे आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के व्यवसायों, सरकारों और संस्थानों के बीच रणनीतिक सहयोग की सुविधा प्रदान करती है।

यूएई-भारत सीईपीए परिषद को फॉलो करें:

- LinkedIn
- Instagram
- X (formerly Twitter)
- YouTube

एआईसी-एमएफआईई-आईएम-बीएचयू के बारे में

अटल इन्क्यूबेशन सेंटर- महामना फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (एआईसी-एमएफआईई-आईएम-बीएचयू), भारत सरकार के नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के तहत स्थापित एक प्रमुख इन्क्यूबेशन और इनोवेशन

केंद्र है। यह केंद्र प्रतिष्ठित बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में स्थित है। यह केंद्र उद्यमशील प्रतिभाओं को निखारने और विशेष रूप से छात्रों, शोधकर्ताओं और नवोदित अन्वेषकों के बीच एक बेहतर स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। मार्गदर्शन, वित्तपोषण की उपलब्धता और वैश्विक संबंधों के माध्यम से, इस केंद्र का उद्देश्य वाराणसी को भारत के नवाचार परिदृश्य में एक उभरते हुए केंद्र के रूप में स्थापित करना है।